वर्षः 14 - अंक : 166, मुंबई, बुधवार, 28 अगस्त, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

मुंबई में दही हांडी उत्सव के दौरान बड़ा हादसा

मानव पिरामिड बनाते समय 206 गोविंदा हुए घायल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। भगवान श्री कृष्ण को समर्पित जन्माष्टमी का महापर्व सनातन धर्म में बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। श्री कृष्ण के जन्म के उपलक्ष्य में हल साल बड़े धुमधाम से दही हांडी उत्सव का आयोजन किया जाता है। मुंबई और राज्य के अन्य हिस्सों में यह उत्सव पारंपरिक उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उत्सव के तहत दही हांडी के प्रतिभागी बहु-स्तरीय मानव पिरामिड बनाते हैं और हवा में लटकी दही हांडी को तोड़ते हैं। इस बीच बताया जा रहा है कि मुंबई में मंगलवार को दही हांडी उत्सव के तहत मानव पिरामिड बनाने में शामिल कम से कम 206 गोविंदा घायल हो गए, जिनमें से 15 को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मोहन भागवत को मिली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्तर की सुरक्षा

गृह मंत्रालय का बड़ा फैसला

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के समान सुरक्षा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह फैसला किया है। मोहन भागवत के सुरक्षा अचानक क्यों बढ़ा दी गई? इसे लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक, डॉ मोहन भागवत को पहले जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली थी। इसे अब एएसएल यानी एडवांस्ड सिक्योरिटी लाइजन से जोड़ा गया है। यह सुरक्षा केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को ही प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले केंद्र सरकार ने शरद पवार की सुरक्षा भी बढ़ा दी है। ऐसे में केंद्र सरकार ने अचानक सुरक्षा बढ़ाने फैसला क्यों ले रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शिंदे सरकार का बड़ा फैसला

आशा वर्करों को ग्रेच्युटी देने के फैसले को दी मंजूरी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। आशा वर्करों एवं समूह प्रवर्तकों के काम के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए, कर्तव्यों का पालन करते समय उनके दुर्घटनावश मृत्यु होने पर 10 लाख रुपए और स्थायी विकलांगता के मामले में 5 लाख रुपए का अनुदान लागू करने की मंजूरी मिल गई है। इस संबंध में महाराष्ट्र सरकार की ओर से मंगलवार को आदेश जारी कर दिया गया। इस फैसले को 1 अप्रैल 2024 से लागू करने की मंजूरी दे दी गई है। आशा स्वयंसेवकों और समूह प्रमोटरों को अनुदान सहायता के कार्यान्वयन के लिए प्रति वर्ष अनुमानित 1.05 करोड़ रुपए की आवर्ती धनराशि स्वीकृत की गई है। आगामी सत्र में अनुपूरक मांग के माध्यम से आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने की मंजूरी दी गई है। आशा वर्करों एवं समूह प्रवर्तकों को ग्रेच्युटी (सानुग्रह अनुदान) देने के संबंध में सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रो. डॉ. तानाजी सावंत के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बीजेपी को बड़ा झटका देंगे हर्षवर्धन पाटिल

शरद पवार के साथ बंद कमरे में ढाई घंटे बातचीत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति का लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इस वजह से महायुति के घटक दलों के कई विधायक डरे हुए हैं। आशंका जताई जा रही है कि विधानसभा से पहले खासकर बीजेपी के दर्जन भर विधायक राष्टवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार के साथ जा सकते हैं। इनमें एक नाम बीजेपी के पूर्व मंत्री हर्षवर्धन पाटिल का भी शामिल है। इन्हीं अटकलों के बीच पाटिल की मंगलवार को शरद पवार से मुलाकात हुई। जिसके बाद ऐसा माना जा रहा है कि पाटिल कमल छोड़कर तुतारी थामेंगे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'पाटिल हमारे साथ'

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री व बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि चुनाव के मद्देनजर कुछ लोग यहां से वहां और वहां से यहां आते-जाते रहते हैं। लेकिन हमें विश्वास है कि हर्षवर्धन पाटिल हमारे साथ रहेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

बलूचिस्तान का नासूर

बलूचिस्तान पाकिस्तान का पुराना नासूर है। इलाकाई लिहाज से यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, जबकि आबादी के लिहाज से सबसे छोटा प्रांत है। खनिज पदार्थों एवं प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध इस प्रांत के बाशिंदों की अनेक शिकायतें रही हैं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हिंसा का पुराना इतिहास है, लेकिन विद्रोही गुटों ने जिस बड़े पैमाने पर सोमवार को हमले किए, वह अभूतपूर्व है। बागियों ने कम-से-कम तीन ठिकानों पर बड़ा धावा बोला। 14 सुरक्षाकर्मियों समेत दर्जनों लोगों के मारे जाने की खबर है। सुरक्षा बलों ने अपनी जवाबी कार्रवाई में 21 ह्लउग्रवादियोंह्व को मार गिराया। इन घटनाओं के साथ बलूचिस्तान मसले पर फिर से दुनिया का ध्यान गया है। बलूचिस्तान पाकिस्तान का बहुत पुराना नासूर है। इलाकाई लिहाज से यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, जबकि आबादी के लिहाज से सबसे छोटा प्रांत है। खनिज पदार्थों एवं प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध इस प्रांत के बाशिंदों की अनेक शिकायतें रही हैं। इनकी जड़ें 1947 में भारत के बंटवारे के समय ही पड़ गई थीं। यह इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि मुस्लिम बहुल बलूचिस्तान का उदारवादी जनमत मजहबी एजेंडे को लेकर बन रहे पाकिस्तान के साथ जाने को तैयार नहीं था। मगर भौगोलिक निरंतरता और मजहबी पहचान का तर्क देते हुए वहां के लोगों को इस्लामी पाकिस्तान में जाने के लिए मजबूर किया गया। चूंकि पाकिस्तान में कभी लोकतंत्र जड़ें नहीं जमा सका, इसलिए असंतुष्ट समुदायों की भावनाओं का ख्याल करते हुए उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास भी नहीं हुए। सोच हमेशा ताकत से फैसला करने की रही। हालिया दौर में बलूचिस्तान को चीन की इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का प्रमुख स्थल बनाने से भी स्थानीय आबादी में नाराजगी फैली है। यह आम शिकायत है कि इन परियोजनाओं के तहत स्थानीय संसाधनों का दोहन हो रहा है। इस वजह से स्थानीय पर्यावरण भी बिगड़ा है। मगर इन परियोजनाओं से वहां के लोग लाभान्वित नहीं हुए हैं। इसीलिए अक्सर चीनी परियोजना से जुड़े ठिकाने और तैनात चीनी नागरिक भी हमलों का शिकार बने हैं। चूंकि पाकिस्तान की राज्य-व्यवस्था ने संवाद और भरोसे का माहौल बना कर बलूच आवाम को संतुष्ट करने का कोई सार्थक प्रयास नहीं किया है, इसलिए विद्रोह की भावना वहां लगातार मौजूद रही है। पहले इसका विस्फोट इक्का-दुक्का स्तरों पर होता रहा। सोमवार को समन्वित ढंग से विद्रोहियों ने बड़े हमले किए। पाकिस्तान सरकार को इनसे उचित सबक लेना चाहिए।

धारा 370 की बजाय नए मुद्दे हावी !

पूर्ण राज्य का दर्जा समाप्त कर दिए जाने से कश्मीर के साथ-साथ जम्मू के लोगों में भी कहीं न कहीं नाराजगी है। जम्मू संभाग की आबादी का एक बड़ा हिस्सा जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन को लेकर बेहद संवेदनशील है और मानता है कि पूर्व डोगरा महाराजा गुलाब सिंह द्वारा बनाए गए जम्मू-कश्मीर के स्वरूप और आकार के साथ छेड़-छाड़ करना ठीक नही था। इसे डोगरा गौरव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में ऐसा बहुत कम हुआ है जब किसी एक मुद्दे ने पुरे प्रदेश की जनता को किसी एक मुद्दे विशेष से जोड़ा हो और कोई एक मुद्दा या नारा पूरे प्रदेश को एक धागे में बांध सका हो। प्रदेश के दोनों हिस्सों, कश्मीर और जम्मू में हमेशा मुद्दों को लेकर मतभेद रहे हैं। दोनों जगह हमेशा अलग-अलग मुद्दो पर चुनाव लड़े जाते रहे हैं।

कश्मीर में हमेशा संवेदनशील मुद्दे और नारे उछाले जाने का एक लंबा इतिहास रहा है। उत्तेजना से भरे आजादी जैसे नारे चुनावों में लगाए जाते रहे हैं। ऐसे नारे भावनाएं भड़काने का काम तो करते थे मगर हासिल कुछ नही था। कई बार चुनाव में पाकिस्तान को भी एक बड़ा मुद्दा बनाए जाने की कोशिश की जाती थी। मगर कश्मीर में इस दफा तमाम भड़काऊ मुददों व नारों की जगह ऐसे मुद्दे आम लोगों में जगह बना रहे हैं जो नए भी हैं और आम लोगों से जुड़े हुए भी हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अभी तक किसी भी राजनीतिक दल की तरफ से नए मुद्दों को जोरदार ढ़ंग से आम जनता के बीच ले जाने की कोशिश नही हुई है, मगर बावजूद इसके नए मुद्दे अपने आप जनता के बीच जगह बना रहे हैं।

दूसरी तरफ प्रदेश के जम्मू संभाग में कश्मीर से पूरी तरह से अलग मुद्दों को लेकर चुनाव होते रहे हैं। जम्मू संभाग में राष्ट्रीय मुद्दों का असर अधिक दिखाई देता रहा है। कभी भी ऐसा मौका नही आया जब दोनों हिस्से एक ही सुर में मुद्दों को उठाते नजर आए हों। लेकिन इस बार जब जम्मू-कश्मीर में लंबे समय के बाद विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं तो कुछ मुद्दों पर प्रदेश के दोनों हिस्सों में एक आम सहमति बनती दिख रही है और एक स्वर में दोनों तरफ बात होती दिखाई दे रहे है।

इस समय पूरे प्रदेश में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किए जाने की मांग एक बड़ा मुद्दा बन रही है। अगर देखा जाए तो इस वक्त यह पूरे प्रदेश का सबसे ज्वंलत मुद्दा है जिसे लेकर प्रदेश के दोनों हिस्सों में व्यापक सहमति है। यह एक सच्चाई है कि आम लोग अनुच्छेद-370 की समाप्ति को लेकर इतने अधिक नाराज भले ही नही हों, लेकिन पूर्ण राज्य का दर्जा समाप्त कर दिए जाने से कश्मीर के साथ-साथ जम्मू के लोगों में भी कहीं न कहीं नाराजगी है। जम्मू संभाग की आबादी का एक बड़ा हिस्सा जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन को लेकर बेहद

संवेदनशील है और मानता है कि पूर्व डोगरा महाराजा गुलाब सिंह द्वारा बनाए गए जम्मू-कश्मीर के स्वरूप और आकार के साथ छेड़-छाड़ करना ठीक नही था। इसे डोगरा गौरव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है।

यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे लेकर लोग काफी मुखर हैं और शिद्दत के साथ चाहते हैं कि प्रदेश को उसका पूर्ण राज्य का दर्जा वापस मिले। लोगों के रुख को देखते हुए विधानसभा चुनाव में लगभग सभी गैर भाजपा राजनीतिक दल भी इस मुद्दे को लोगों के बीच पूरी ताकत के साथ उठाने जा रहे हैं। पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर का दर्जा समाप्त करते समय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में कहा था कि जल्द ही जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा जल्द लौटा दिया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी भी लगातार कहती आ रही है कि प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। लेकिन कब, इसे लेकर पार्टी के पास कोई सपष्ट जवाब फिलहाल नही है। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के साथ-साथ दरबार कूच (दरबार मूव) का मुद्दा भी एक बड़ा मुद्दा बन रहा है। दरबार कूच परंपरा के बंद होने से प्रदेश के दोनों हिस्सों में बहुत गुस्सा है। विशेषकर जम्मू में लोगों को इस मुद्दे पर भारी नाराजगी है। पूर्व डोगरा शासक महाराजा रणबीर सिंह द्वारा 1872 में शुरू की गई दरबार कूच की परपंरा को बंद करने से सबसे अधिक असर प्रत्यक्ष रूप से जम्मू के व्यापार जगत पर पड़ा है। आम लोग दरबार कूच की परंपरा को भी डोगरा स्वाभिमान से जोड़ कर देखते हैं।

यह मुद्दा भारतीय जनता पार्टी के गढ़ माने जाने वाले जम्मू नगर व जम्मू जिले और कुछ हद कर पूरे जम्मू संभाग की अर्थव्यवस्था से बहुत गहरे से जुड़ा हुआ है। जम्मू का कारोबार दरबार कूच की परंपरा के समाप्त होने से बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। सर्दियों में दरबार कूच की वजह से जम्मू के बाजारों में जो रौनक हुआ करती थी वह अब गायब है। हर साल जो चार से पांच लाख कश्मीरी आबादी जम्मू आती थी वह अब आना बंद हो गई है। दरबार कूच के अपने फायदे थे। यह एकमात्र ऐसी परंपरा थी जो प्रदेश के दोनों हिस्सों को आपस में जोड़े हुए थी। एक खूबसूरत पुल का काम करती थी यह परंपरा। ध्रवीकरण के माहौल में भी अगर जम्मू के लोग और व्यापारी दरबार कूच को दोबारा शुरू करने की बात कर रहे हैं तो यह अपने आप में दशार्ता है कि 152 साल पहले शुरू हुई परंपरा की जड़े कितनी मजबूत हैं।

केंद्र द्वारा पहाड़ी भाषियों को भाषा के आधार पर अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने से भी एक बड़े वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। यह नाराजगी भी एक बड़े मुद्दे में परिवर्तित हो रही है। जिन पहाड़ी भाषी लोगों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिला है उनकी ज्यादातर आबादी जम्मू संभाग के दो जिलों पुंछ व राजौरी तक ही सीमित है। यही दो ऐसे ज़िले हैं यहां पहाड़ी भाषी लोगों की बड़ी आबादी का राजनीति में दखल और असर है। दोनों ज़िलों में पहाड़ी भाषी 50 से 60 प्रतिशत के आसपास हैं। इनमें बहुसंख्यक आबादी मुस्लिम है जबकि कुछ संख्या हिन्दू व सिख समुदाय की भी है। कश्मीर घाटी में सबसे अधिक बारामूला ज़िले में लगभग 15 प्रतिशत के आसपास पहाड़ी भाषी लोग हैं। पूरे प्रदेश में नौ प्रतिशत ही आबादी ऐसी है, जिसे पहाड़ी भाषी माना जाता है।

दरअसल गुज्जर-बक्करवाल समुदाय को 1991 से अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिला हुआ है। इसी को लेकर पहाड़ी भाषी लंबे समय से मांग कर रहे थे कि उन्हें भी अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाए। लेकिन गुज्जर-बक्करवाल समुदाय पहाड़ियों की इस मांग का लगातार विराध कर रहा था। मगर केंद्र की मौजूदा सरकार ने इस विरोध को पूरी तरह से नजरअंदाज करके फरवरी 2024 में पहाड़ियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने का निर्णय ले लिया। लेकिन अब गुज्जर-बक्करवाल समुदाय के साथ-साथ अन्य इलाकों के लोग व वर्ग भी पहाड़ी भाषियों को विशेष दर्जा दिए जाने को लेकर गुस्से में हैं। बेहद दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का कहना है कि भाषा के आधार पर पहाड़ी भाषियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देना हर लिहाज से गलत है। उनका कहना है कि भौगोलिक परिस्थितियों के आधार पर सरकार को दर्जा देना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी की मुश्किल यह है कि पहाड़ी भाषियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने से यहां एक तरफ गुज्जर-बक्करवाल समुदाय सहित अन्य कई वर्गों में नाराजगी है वहीं उसके कोर वोटर ने भी केंद्र के इस कदम को पसंद नही किया है।। कश्मीर घाटी जम्मू संभाग में भी इस मुद्दे पर लोगों में नाराजगी है। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में पहाड़ी भाषी लोगों को दिए गए अनुसूचित जनजाति के दर्जे का कोई बहुत अधिक लाभ वोट में परिवर्तित होता दिखाई नही दिया। हालांकि भारतीय जनता पार्टी ने अपना की उम्मीदवार इन इलाकों में खड़ा नही किया था मगर अपनी पार्टी को पार्टी ने अपना समर्थन दिया था।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन पद्मश्री अनुप जलोटा बने मिशन पत्रकारिता आर्ट एंड कल्चर विंग के संरक्षक

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन विश्व प्रसिद्ध गायक व भजनसम्राट पद्मश्री अनुप जलोटा को मिशन पत्रकारिता के आर्ट एंड कल्चर विंग के संरक्षक के रूप में नियुक्ति दी गई है। कलाक्षेत्र में काम करनेवाले कलाकारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु उन्होंने इस विंग के साथ जुडकर काम करने का फैसला लिया है। उनके इस नियुक्ति से बॉलीवुड तथा कला क्षेत्र से जुडे लोगों में सकारात्मकता की उम्मीद जगी है। श्री अनुप जलोटा के इस नियुक्ति की महत्वपूर्ण घोषणा के साथ ही, विख्यात संगीतकार विवेक प्रकाश को भी राष्ट्रीय महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया। यह नियुक्तियाँ मिशन पत्रकारिता के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शैलेश जायसवाल के मार्गदर्शन में, आर्ट एंड कल्चर विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शैलेंद्र भारती द्वारा की गईं। इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन मुंबई के जुहू स्थित जेडब्ल्यू मेरीयेट पंचसितारा होटल में किया गया, जहाँ कला और संस्कृति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली इन विभूतियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मिशन पत्रकारिता के वरिष्ठ फोटोग्राफर बंटी राव, समाजसेवी श्री विजय पाठक, और पत्रकार कंचन यादव समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अनुप जलोटा, जिन्हें भारतीय भजन संगीत के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया है, ने इस नई जिम्मेदारी को लेकर अपने विचार साझा करते हुए कहा, कि मुझे गर्व है कि मुझे मिशन पत्रकारिता के आर्ट एंड कल्चर विंग का संरक्षक बनने का अवसर मिला। मैं इस विंग के माध्यम से भारतीय कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का प्रयास करूंगा। उल्लेखनीय है कि भजनसम्राट के नाम से प्रख्यात अनुप जलोटा को कई राष्ट्रपति पुरस्कार तथा अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हैं। वहीं, संगीतकार विवेक प्रकाश, जो कई प्रसिद्ध फिल्मों और एलबम्स के संगीत निर्देशक रह चुके हैं, ने भी अपने मनोभाव व्यक्त करते हुए कहा, राष्ट्रीय महासचिव के रूप में मेरी यह भूमिका चुनौतीपूर्ण और प्रेरणादायक है। मैं आर्ट एंड कल्चर विंग के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हूँ। कार्यक्रम के अंत में, मिशन पत्रकारिता के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शैलेश जायसवाल ने इन नियुक्तियों को संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यह कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देना है, और मुझे विश्वास है कि अनुप जलोटा जी और विवेक प्रकाश जी के नेतृत्व में यह विंग अपनी महत्ता को और भी अधिक सिद्ध करेगा।

पैगम्बर ए इस्लाम पर अमर्यादित टिप्पणी बर्दास्त नही की जाएगी : नदीम कुरैशी

मुंबई हलचल/संवाददाता

लखनऊ। आई एम सी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान के निर्देश पर इत्तेहाद-ए-मिल्लत कॉन्सिल के प्रदेश संगठन प्रभारी नदीम कुरैशी की अगुबाई में भारी संख्या में लोग बेगम हजरत महल पार्क लखनऊ में जमा हुए और महाराष्ट्र निवासी रामगिरी के खिलाफ प्रदर्शन करके गिरफ्तारी की माँग कर राष्टपति को सम्बोधित ज्ञापन जिला अधिकारी लखनऊ को सौपा ज्ञापन में बताया की पैगम्बर-ए-इस्लाम पर अमर्यादित टिप्पणी कर धार्मिक भावनाओं को आहत करने तथा देशभर में साम्प्रदायिक सौहार्द को खतरे में डालने वाले रामगिरी महाराज की गिरफ़्तारी हो कुरैशी ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से एक वीडियो क्लिप देशभर में तेजी से वायरल हो रहा है,खुद को रामगिरी महाराज कहने वाला व्यक्ति इस वीडियो क्लिप में पैगम्बर-ए-इस्लाम की शान में गुस्ताखी करता दिखाई-सुनाई दे रहा है। इससे न केवल मुसलमानों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं बल्कि देशभर में साम्प्रदायिक माहौल खतरे में पड़ गया है।

समाचार माध्यमों से यह भी संज्ञान में आया है कि रामगिरी महाराज नामक इस व्यक्ति ने महाराष्ट्र के नासिक ज़िले में सिन्नर इलाके के शाह पंचाले गाँव में आयोजित एक कार्यक्रम में यह अशोभनीय और अमर्यादित टिप्पणी की है। इसके बाद न्यायप्रिय तथा देशप्रेमी नागरिकों ने उक्त खुराफाती व्यक्ति के विरुद्ध अब तक कई एफ.आई.आर. दर्ज कराई हैं, जिनमें धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने, धर्म के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करने और आपराधिक धमकी देने से संबंधित गंभीर धाराएं शामिल हैं। इसके बावजूद अब तक गिरफ़्तारी नहीं हुई है।

इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आई.एम.सी.) इस ज्ञापन के माध्यम से आपसे माँग करती है कि देशभर में शांति कायम रखने तथा मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं की सुरक्षा के लिए इस प्रकरण में तुरंत कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में आप पद की गरिमा के अनुरूप अपने स्तर आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी करें ताकि इंसाफ कायम रहे और सभी नागरिक मान-सम्मान से रह सकें।

ज्ञापन में मुख्य रूप से नदीम कुरैशी,शाहनवाज वारसी, सय्यद हुसैन कादरी अशफाक सिद्दीकी, शाहिक सिद्दीकी,शाहरुख कुरैशी, अजीम अहमद फुरकान कुरैशी अलत्मश रजा खान,अब्दुल रशीद, दिलदार खान, जीशान रजा, अनबर अजीज,आदि

श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं पर अयोजित दहीहांडी उत्सव

मुंबई। श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ पर अयोजित दही हांडी उत्सव मुंबई मे अनेक जगहो पर और दही हांडी उत्सव मुंबई शहर में बड़े ही उत्साह से मनाया गया गोविंदा आला रे आला हर साल की तेरा बहुत से निमंत्रण आये हुए जैसे डॉ. नितेश राजहंस सिंह भाजपा उत्तर मध्य मुंबई जिल्हा महामंत्री द्वारा इक्विनॉक्स बिजनेस पार्क,श्री रामचन्द्र घोडू, सुर्वे मार्ग, श्रीकृष्ण चौक, एल.बी.एस मार्ग, कुर्ला (पश्चिम) मुंबई ये सभी दही हांडी उत्सव मैं उपस्थित रहे मो. शोएब खान, सुखबिंदर सिंह (लाला भाई)।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई में दही हांडी उत्सव के दौरान बड़ा हादसा

एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि रात नौ बजे तक कुल 206 गोविंदा घायल हो गए। पंद्रह गोविंदाओं को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया, 17 का ओपीडी में इलाज किया गया और 74 अन्य को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। शाम छह बजे तक कुल 63 गोविंदाओं का विभिन्न सरकारी, निजी अस्पतालों में इलाज किया गया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि इन घायल गोविंदाओं को बीएमसी संचालित और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उत्सव के तहत दही हांडी के प्रतिभागी बहु-स्तरीय मानव पिरामिड बनाते हैं और हवा में लटकी दही हांडी को तोड़ते हैं। ठाणे शहर के टेंभी नाका में दही हांडी कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि उनके गुरु आनंद दिघे ने इस उत्सव को पुनर्जीवित किया, जिससे परंपराओं और सामुदायिक भावना को बल मिला है। शिंदे ने कहा कि उनके प्रशासन ने स्वतंत्र और सुरक्षित समारोहों की अनुमति देकर महा विकास आघाडी (एमवीए) शासन के दौरान लगाए गए प्रतिबंधों को हटा दिया है।

मोहन भागवत को मिली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्तर की सुरक्षा

यह सवाल उठ रहा है। मोहन भागवत को किससे डर है? उन्हें पीएम मोदी और अमित शाह के समान सुरक्षा देने की जरूरत क्या है? ये भी सवाल कई लोग उठा रहे है। बताया जा रहा है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मोहन भागवत की मौजूदा सुरक्षा की समीक्षा की, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। कहा जा रहा है कि मोहन भागवत मुस्लिम संगठनों के निशाने पर है।

बीजेपी को बड़ा झटका देंगे हर्षवर्धन पाटिल

पुणे के मंजरी स्थित वसंतदादा शुगर इंस्टिट्यूट की मंगलवार को बैठक हुई। इस बैठक में शरद पवार के साथ पूर्व उपमुख्यमंत्री विजयसिंह मोहिते पाटिल, बीजेपी नेता हर्षवर्धन पाटिल, माढ़ा के विधायक बबन शिंदे, राजेश टोपे, नगर के विवेक कोल्हे और अन्य नेता मौजूद थे। इस बैठक के बाद पवार और हर्षवर्धन के बीच बंद कमरे में करीब ढाई घंटे चर्चा हुई। पुणे की इस सियासी घटना और शरद पवार के खेले से महायुति में टेंशन बढ़ने के आसार नजर आने लगे हैं। बीजेपी नेता हर्षवर्धन पाटिल ने कहा कि शरद पवार के साथ ढाई घंटे रहा लेकिन इस दौरान सिर्फ वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट के मुद्दों पर चर्चा हुई। अन्य किसी राजनीतिक मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। वैसे कार्यकर्ता चाहते हैं कि मैं विधानसभा चुनाव लडूं। हालांकि लोकसभा चुनाव के दौरान जो चर्चा हुई और वादा किए गए, उस पर अभी तक चर्चा नहीं हुई है।

शिंदे सरकार का बड़ा फैसला

स्वास्थ्य व्यवस्था, धर्मार्थ संगठनों और ग्रामीणों सहित समाज के अन्य तत्वों के बीच जागरूकता, सद्भाव, समन्वय, प्रचार-प्रसार पैदा करने के लिए आशा स्वयंसेवक और समूह प्रवर्तक एक महत्वपूर्ण सामाजिक कड़ी के रूप में काम कर रहे हैं। राज्य में आशा स्वयंसेवकों को मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि के लिए नियमित घरेलू दौरे, माताओं और बच्चों का मार्गदर्शन करना, रोगियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, ग्रामीण अस्पतालों, उप-जिला अस्पतालों, जिला अस्पतालों में रेफर करना जैसे कर्तव्य निभाने होते हैं।

खबर संक्षेप

देश की सबसे अमीर महिला सावित्री लडेंगी चुनाव

चंडीगढ़। देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल हरियाणा विधानसभा चुनाव में उतर सकती हैं। उन्हें भाजपा की ओर से हिसार विधानसभा सीट से उतारा जा सकता है। इससे लगातार दो बार से विधायक चुने जा रहे कमल गुप्ता का टिकट कट सकता है। 2014 के विधानसभा चुनाव में सावित्री जिंदल को हराकर ही कमल गुप्ता विधानसभा पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट आईएमए के माफीनामे पर नाराज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष आर वी अशोकन के माफीनामे के प्रारूप की आलोचना की है। अशोकन ने पतंजलि मामले में सुप्रीम कोर्ट को लेकर कुछ ऐसी टिप्पणी की थी, जिन पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की थी। कोर्ट ने माफीनामे की आलोचना की और कहा कि फॉन्ट छोटा है।

केजरीवाल की 3 तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली की आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। अगली सुनवाई 3 सितंबर को की जाएगी। सीबीआई ने कहा कि केजरीवाल के मीडिया मैनेजर ने साउथ ग्रुप के साथ बातचीत की थी।

एचयूएल को थमाया 963 करोड़ रुपए का नोटिस

नई दिल्ली। रोजमर्रा के प्रोडक्ट बनाने वाली देश की दिग्गज एफएमजीसी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड को बड़ा झटका लगा है। आयकर विभाग से टैक्स नोटिस मिला है।

बंगाल में डॉक्टर से रेप और मर्डर केस पर ममता से सवाल पर बवाल

लोगों की आवाज को दबा रहा निरंकुश शासन न्याय की मांग पर पुलिस भांज रही लाठियां

मजूमदार और सुवेंदु ने कहा- महिला सुरक्षा की मांग पर बंगाल सरकार करवा रही लाठीचार्ज

मुंबई हलचल / कोलकाता

पश्चिम बंगाल में डॉक्टर रेप और मर्डर केस पर जमकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। मंगलवार को 'नबन्ना प्रोटेस्ट' के दौरान कोलकाता में जमकर बवाल कटा। छात्रों को रोकने के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया।

छात्रों के प्रदर्शन पर लाठीचार्ज के बाद बंगाल के भाजपा प्रमुख सुकांता मजूमदार ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने बुधवार को बंगाल में 12 घंटे का बंद बुलाया है। मजूमदार ने ये भी कहा कि वो प्रदर्शनकारियों की मदद करेंगे। छात्रों पर लाठीचार्ज के बाद लाल बाग स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय पर छात्रों की रिहाई के लिए धरने पर बैठे मजूमदार ने कहा कि हमें आम हड़ताल का आह्वान करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्योंकि यह निरंकुश शासन लोगों की आवाज को अनसुना कर रहा है, जो न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस राज्य के शांतिप्रिय लोगों के साथ बर्बर व्यवहार कर रही है, जो केवल महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल चाहते हैं।

'नबन्ना' आंदोलन से सहमी बंगाल सरकार

अब ममता सरकार मुश्किलों में है। इस बीच छात्र संगठनों ने 'नबन्ना अभियान' निकाला है। कोलकाता में नबन्ना एक बिल्डिंग का नाम है, जो राज्य का सचिवालय भी है। 2011 में ममता बनर्जी सरकार में आईं तो उन्होंने एक नई बिल्डिंग को सचिवालय बनाया। यह बिल्डिंग हुगली नदी के किनारे स्थित है और इसे नबन्ना नाम दिया।

प्रदर्शनकारी छात्रों को पुलिस ने घसीटा, हिरासत में लिया

सैकड़ों छात्रों ने मंगलवार को कोलकाता के दो स्थानों से 'नबन्ना अभियान' मार्च शुरू किया। इसे तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसूगैस के गोले छोड़े। एक महिला चिकित्सक से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में निकाला गया। छात्र संगठन सीएम ममता बेनर्जी के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने बर्बरता की

विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कोलकाता और हावड़ा में नबन्ना अभियान रैली में शांतिपूर्ण तरीके से आग लेने वालों पर बर्बर कार्रवाई का सहारा लिया है। अधिकारी ने धमकी दी कि अगर राज्य सरकार द्वारा बर्बरता नहीं रोकी गई तो बंगाल को ठप कर दिया जाएगा। सैकड़ों प्रदर्शनकारी घायल हो गए हैं। पुलिस आयुक्त विनीत गोयल और पुलिस महानिदेशक से ऐसी बर्बरता नहीं रोकी तो हम चुप नहीं बैठेंगे।

ममता और पुलिस आयुक्त का हो पॉलीग्राफ टेस्ट

डॉक्टर के दुष्कर्म-हत्या मामले में ममता पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया। भाजपा ने ममता को 'तानाशाह' करार दिया और मामले की निष्पक्ष जांच के लिए उनके इस्तीफे की मांग की। भाजपा ने यह भी मांग की है कि सीबीआई बनर्जी और पुलिस आयुक्त विनीत गोयल की पॉलीग्राफ जांच कराए।

इस तरह शुरू हो गई झड़प

हावड़ा मैदान इलाके में जीटी रोड पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच उस समय झड़प हुई, जब प्रदर्शनकारियों ने 'नबन्ना अभियान' के तहत राज्य सचिवालय की ओर मार्च करने की कोशिश की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। पानी की बौछारों और आंसू गैस का इस्तेमाल भी किया। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर पत्थर और ईंटें फेंकी। प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों को गिराने का प्रयास किया।

पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

झड़प में एक पुलिसकर्मी घायल बताया जा रहा है। उनकी पहचान हावड़ा पुलिस आयुक्तालय के चंडीतला थाने के प्रभारी के रूप में हुई है। हैरिटेक्स और एमजी रोड इलाके में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली, जहां प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके। बताया जा रहा है कि पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया है।

कोलकाता मामले में कार्रवाई

ईडी ने भी शुरू की आरजी कर मेडिकल कॉलेज की पड़ताल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में कथित वित्तीय कदाचार के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की है। यह जांच पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और अन्य व्यक्तियों के कार्यकाल पर केंद्रित है।ईडी की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी (एफआईआर) से उपजी है। एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत अपनी प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दायर की है।

ईडी ने कई स्रोतों से अस्पताल से जुड़े बैंकिंग और मेडिकल खरीद संबंधी दस्तावेज जुटाए हैं। ये दस्तावेज चल रही जांच के लिए अहम हैं। आरोपियों को पूछताछ और उनके बयान दर्ज करने के लिए जल्द ही समन जारी किया जा सकता है। ईडी मामले में नामित व्यक्तियों का नाम सीबीआई की शिकायत में भी दर्ज है।

संदीप के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज

सीबीआई ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का नाम भ्रष्टाचार की एफआईआर में दर्ज किया है। बताया गया कि संदीप घोष का नाम उनके कार्यकाल के दौरान संस्थान में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के संबंध में दर्ज किया गया है। इस मामले में एक लोक सेवक से रिश्वत लेने के संबंध में उनके खिलाफ कई धाराएं लगाई गई हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट के एक वरिष्ठ वकील ने कहा कि ये सभी मामले गैर-जमानती प्रकृति के हैं।

जोधपुर में भी कोलकाता जैसा कांड

अस्पताल परिसर में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म

राजस्थान के जोधपुर से बड़ी घटना सामने आई है। यहां महात्मा गांधी अस्पताल में एक नाबालिग ने गैंगरेप का आरोप लगाया है। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारी व एफएसएल टीमों को जांच के लिए बुलाया गया है। पीड़ित लड़की ने सफाई कर्मचारियों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। अस्पताल में घटी दुष्कर्म और गैंगरेप की घटना अत्यंत शर्मनाक और भयावह है। इस घटना में एक नाबालिग लड़की के साथ अमानवीयता की सभी सीमाएं पार कर दी गई। पुलिस के अनुसार अस्पताल के अंदर ही इस पूरित अपराध को अंजाम दिया गया। घटना के बाद से ही पुलिस और प्रशासन पर कड़ी कार्रवाई का दबाव था।पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरे आरोपी की तलाश अभी जारी है।

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया

संपन्न हुआ नौसेना प्रमुख का दक्षिणी कमांड का दौरा, परखी रणनीतिक व प्रशासनिक तैयारियां

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का नौसेना की दक्षिणी कमांड का दौरा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें उन्होंने वहां जारी बल की रणनीतिक तैयारियों का व्यापक आधार पर जायजा लिया। कमांड के वरिष्ठ अधिकारियों ने नौसेना प्रमुख को प्रशिक्षण, रणनीतिक तैयारियों, इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशासनिक गतिविधियों के बारे में अवगत कराया।

नौसेना के अधिकारियों को दिए संबोधन में नौसेना प्रमुख ने अपने विजन और अपेक्षाओं को साझा किया। नौसेना ने मंगलवार को बताया कि एडमिरल त्रिपाठी अपनी पत्नी शशि त्रिपाठी के साथ बीते सोमवार को बल की दक्षिण कमांड के पहली यात्रा पर कोच्चि पहुंचे थे। यहां नौसेना के आईएनएस गरुड़ अड्डे पर उनका परंपरागत गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया। इसके बाद कमांड के मुखिया यानी एफओसी-इन-सी वाइस एडमिरल वी. श्रीनिवास ने नौसेनाध्यक्ष को कमांड में जारी तमाम गतिविधियों के बारे में रूबरू कराया।

कमांड के राहत अभियान प्रयासों की सराहना की

नौसेना ने बताया कि एक प्रशिक्षण कमांड होने के नाते दक्षिणी नौसैन्य कमांड में जारी व्यापक प्रशिक्षण, सुविधाओं और आधुनिकीकरण गतिविधियों के बारे में एडमिरल त्रिपाठी को जानकारी दी गई। नौसेना प्रमुख ने केरल के वायनाड में बीते दिनों आई प्राकृतिक आपदा के दौरान दक्षिणी कमांड द्वारा चलाए गए राहत और बचाव अभियान की सराहना की। उन्होंने कमांड से जुड़े विभिन्न विषयों और प्रयासों की समीक्षा की। एडमिरल त्रिपाठी कोच्चि में अपने सिग्नल स्कूल भी गए। यहां उन्होंने कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर विषय में विशेषज्ञता हासिल की थी। नौसैन्य अड्डे पर मरम्मत के साथ बनाए गए कमांड स्टेडियम और नए यार्ड यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स का भी उद्घाटन किया।

इंडो-पाक सीमा को देखना हुआ आसान

बना सकेंगे ऑनलाइन ई-पास लाइन में खड़े नहीं रहना होगा

मुंबई हलचल / जैसलमेर

जैसलमेर से लगती भारत-पाक सीमा को देखना आसान हो गया है। सीमा सुरक्षा बल ने वेबसाइट बनाकर इच्छुक लोगों के लिए ऑनलाइन ई-पास बनाने की सुविधा जारी कर दी है। बीएसएफ डीआईजी नॉर्थ सेक्टर योगेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि अब सीमा देखने के लिए आवश्यक पास लेने के लिए तनोट माता मंदिर में लाइन में खड़े होने की जरूरत नहीं हैं। तनोट माता ट्रस्ट ने एक वेबसाइट जारी कर ई-पास बनाने की सुविधा शुरू की हैं।

टूरिज्म को दे रहे बढ़ावा

जैसलमेर के तनोट माता मंदिर से करीब 20 किलोमीटर दूर बबलियान वाला चौकी को देखने हर साल हजारों की संख्या में देसी सैलानी जैसलमेर आते हैं। भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तनोट-बबलियान वाला पर्यटन परिपथ को बढ़ावा देने के लिए श्री तनोट माता ट्रस्ट ने ऑनलाइन ई-पास की सुविधा शुरू की हैं।

आईडी कार्ड के साथ ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा

सैलानियों को वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा। अपनी पूरी जानकारी अपने आईडी कार्ड के साथ मिरकर सबमिट करनी होगी। इसके बाद ई-पास जारी होगा। फिलहाल सैलानियों को सीमा घूमने के लिए तनोट जाने के बाद ही बीएसएफ के काउंटर पर जाकर पास बनवाना पड़ता है। वहां भीड़ होने पर सैलानियों को लाइन में लगना पड़ता है।

मंकीपॉक्स से लड़ने को भारत तैयार

जांच के लिए बनाई पहली स्वदेशी रियल टाइम-पीसीआर किट

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

दुनियाभर में मंकीपॉक्स वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकीपॉक्स को लेकर दुनियाभर में हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दी है। मगर इसके बढ़ते मामलों को देखते हुए इससे बचाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। भारत के सीमेंस हेल्थिनर्स ने मेक इन इंडिया के तहत मंकीपॉक्स से लड़ने के लिए अपना स्वदेशी आरटी-पीसीआर परीक्षण किट तैयार किया है।

किट को सीडीएससीओ से मिली अनुमति

किट पर केंद्रीय सुरक्षा औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने भी मोहर लगा दी है। सीमेंस हेल्थिनर्स ने बताया कि आरटी-पीसीआर परीक्षण किट को वडोदरा की एक इकाई में तैयार किया जाएगा। हर साल करीब 10 लाख किट बनाई जा सकेंगी। हम यह किट लोगों को उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंपनी ने दावा किया है कि जिस टेस्ट में एक से दो घंटे लगते हैं, इस किट के उपयोग से परिणाम मात्र 40 मिनट में उपलब्ध होगा।

तुरंत और सटीक पहचान होगी

सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरिहरन सुब्रमण्यन ने कहा कि सही और सटीक निदान की आवश्यकता आज से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि भारत को मंकीपॉक्स से निपटने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई किट उपलब्ध कराकर हम इस बीमारी से लड़ने में सक्रिय रुख अपना रहे हैं। तुरंत और सटीक पहचान को प्राथमिकता दे रहे हैं।

ग्वालियर-चंबल के विकास के लिए शामिल होंगे प्रतिष्ठित निवेशक

वन-टू-वन चर्चा करेंगे सीएम, 22 औद्योगिक इकाइयों का होगा भूमिपूजन और लोकार्पण

मुंबई हलचल / गोपाल

मप्र में संभागीय मुख्यालयों पर शुरू हुई रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की अगली कड़ी में बुधवार को ग्वालियर मुख्यालय पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगी। इस में ग्वालियर-चंबल अंचल के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए प्रतिष्ठित औद्योगिक प्रतिनिधि एवं निवेशकों को आमंत्रित किया गया है। कॉन्क्लेव में वन-टू-वन मीट सबसे अहम पहलू होगा। इसमें बड़े-बड़े उद्योगपति एवं निवेशक ग्वालियर-चंबल अंचल में निवेश की संभावनाओं को तलाशेंगे और अपना खजाना खोलेंगे।

ग्वालियर कॉन्क्लेव में आधा दर्जन देशों के ट्रेड कमिश्नर एवं औद्योगिक प्रतिनिधि भी शामिल होने के लिए आ रहे हैं। इनमें जाम्बिया के सचिव आर्थिक व व्यापार सुश्री आयरीन एकॉम्बेलवा अपूलेनी व सचिव प्रेस पर्यटन बेनी मुंडांडो, टोंगो के मिशन अटैची मजा. वियायो मेंडेलो, कोस्टारिका की मुख्य डिप्लोमेटिक एग्रीमेंट सोफिया सालस मोंगे, मैक्सिको के आर्थिक और वाणिज्यिक मामलों के अधिकारी रिकार्डो डेनियल डेलगाडों मुनोज व खारलो मारियो क्यूनोनेज, नीदरलैंड की ट्रेड कमिश्नर मिस प्रिया व कनाडा के रवि तिवारी शामिल हैं।

चुनावी मौसम में हो सकती है 'जातिगत जनगणना' की घोषणा, गुणा-भाग शुरू

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

इस बात के आसार अब ज्यादा नजर आ रहे हैं कि भाजपानीत राजग गठबंधन की केंद्र सरकार जातिगत जनगणना देशभर में लागू करने की पहल करे। सूत्रों का मानना है कि सत्ता प्रतिष्ठान इस बात के गुणाभाग में लगा है कि देश के अन्य पिछड़ा वर्ग का 44 फीसदी बड़ा हिस्सा चुनावों में भाजपा के हिस्से आता रहा है, उसे जातिगत जनगणना के घोषणा से बिहार की धरती से कैसे लहर पैदा की जाए ताकि बड़ा सियासी मुनाफा भाजपा के हिस्से आए! विदित हो कि जातिगत जनगणना का मसला बिहार के विपक्षी दलों के बीच ही नहीं गरमा रहा है बल्कि राजग गठबंधन सरकार में शामिल लोजपा प्रमुख चिराग पासवान बेहद मुखर रहे हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी भी जातिगत जनगणना को समय की दरकार बता चुके हैं। कांग्रेस पार्टी सहित अन्य विपक्षी दलों ने इसे प्रमुख मुद्दा रखा ही है।

क्यों लग रहा है कि ये होगा?

केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना की जरूरत पर पड़ताल के लिए बनाई गई रोहिणी कमेटी के एक प्रमुख सदस्य ने जातिगत जनगणना की बहुत मजबूती से पैरवी की है। विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि उक्त सदस्य को संघ का भी करीबी माना जाता है। केंद्र सरकार के प्रमुख इकाई में वे बतौर अध्यक्ष काम भी कर रहे हैं। जाहिर है कि सोची समझी रणनीति के तहत ही पासे चले जा रहे हैं। केंद्र या भाजपा के अंदरखाने इसका विरोध नहीं दिख रहा। हिंदी पट्टी में विपक्ष के एक और सियासी हथियार को चुनाव से पहले भोथरा करने राष्ट्रपति के टेबल पर सालभर से पड़ी रोहिणी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर भाजपा के रणनीतिकार जातिगत जनगणना कराए जाने की सलाह दे सकते हैं।

ये मामला उठा क्यों?

मंडल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश में अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को अध्ययन के लिए एजुकेशनल इन्स्टीट्यूशन में नामांकन से लेकर नौकरियों में 27 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलता रहा है। परेशानी ये आ रही सरकार की ओबीसी लिस्ट तब से अब तक बढ़कर 3 हजार जातियां शामिल हो गई हैं, मगर कुछ जातियां आरक्षण का लाभ उठा रही हैं। यही वजह है कि एक सब-कैटेगरी बनाने की मांग है ताकि आरक्षण का लाभ समान रूप से सभी को मिले।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वाणिज्यिक व यात्री वाहन कंपनियों ने भरी हामी

पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलकर नई गाड़ी खरीदने पर मिलेगी तीन प्रतिशत तक छूट

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

प्रमुख वाणिज्यिक और यात्री वाहन कंपनियों ने त्योहारों से पहले पुरानी गाड़ियों को कबाड़ में बदलने के एवज में नये वाहन खरीदने पर छूट देने की सहमति जताई है। मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि यह पहल देश में संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग वाली अर्थव्यवस्था को गति देने और स्वच्छ, सुरक्षित तथा अधिक कुशल वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- त्योहार से पहले बदलने पर मिलेगी छूट

मंत्री गडकरी ने सियाम की अध्यक्षता की

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को भारत मंडपम में वाहन कंपनियों के शीर्ष निकाय सियाम (सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स) के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की।

सीमित अवधि की मिलेगी छूट

बयान में कहा गया है, 'बातचीत के दौरान, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री की सलाह पर सकारात्मक रूप से गौर करते हुए और वाहनों के आधुनिकीकरण तथा संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग वाली अर्थव्यवस्था के महत्व को पहचानते हुए कई वाणिज्यिक वाहन और यात्री वाहन विनिर्माताओं ने जमा प्रमाणपत्र के बदले सीमित अवधि के लिए छूट देने पर सहमति जताई है।'

वाणिज्यिक 2 और यात्री वाहन विनिर्माता एक साल देंगे छूट

इसमें कहा गया है कि वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता दो साल और यात्री वाहन विनिर्माता एक साल के लिए छूट देने को तैयार हैं। बयान में कहा गया है कि यह छूट पुराने वाहनों को कबाड़ में तब्दील करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। इससे सड़कों पर सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक दक्ष वाहनों का चलना सुनिश्चित होगा।

वाणिज्यिक कार्गो पर तीन फीसदी छूट मिलेगी

टाटा मोटर्स, वोल्वो आयशर, अशोक लेलैंड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, फोर्स मोटर्स जैसे वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता 3.5 टन से अधिक के वाणिज्यिक कार्गो वाहन के लिए शोरूम कीमत के तीन प्रतिशत के बराबर छूट की पेशकश करेंगे। सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में वाहन उद्योग के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।

यात्री वाहन में शोरूम कीमत का 1.5 फीसदी मिलेगी छूट

किआ मोटर्स, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर, होंडा कार्स, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर, रेनो इंडिया, निसान इंडिया और स्कोडा फॉक्सवैगन इंडिया जैसे यात्री वाहन विनिर्माता वाहनों को कबाड़ में बदलने के बदले नयी गाड़ी लेने पर छूट देंगे। पिछले छह महीनों में कार मालिक द्वारा स्क्रैप किए गए यात्री वाहन के बदले नई कार लेने पर शोरूम कीमत का 1.5 प्रतिशत या 20,000 रुपये की छूट दी जाएगी।

बैठक में ये अधिकारी रहे शामिल

इनमें सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हिसाशी ताकेउची, टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ, अशोक लेलैंड के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शीनू अग्रवाल और टीवीएस मोटर कंपनी के सीईओ के एन राधाकृष्णन शामिल हैं।

मर्सिडीज बेंज सीधे 25 हजार की छूट देगी

बयान में आगे कहा गया कि मर्सिडीज बेंज इंडिया ने 25,000 रुपये की सीधी छूट देने की पेशकश की है, जो सभी मौजूदा रियायतों के अतिरिक्त होगी। बयान के अनुसार, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हुंडई मोटर इंडिया देगी छूट।

सेना में तैनात महिला को Digital Arrest कर ठगे 15 लाख, पांच तरीकों से करें खुद का बचाव

देहरादून। प्रदेश में डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामले में साइबर ठगों ने सेना में तैनात महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 15 लाख रुपये ठग लिए। साइबर थाने में दी गई शिकायत के बाद रायपुर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रायपुर में रहने वाली नीरू भारतीय सेना में मिलिट्री नर्सिंग स्टाफ में कार्यरत हैं। उनकी तैनाती सूडान में है और इन दिनों वह अपने घर देहरादून आई हुई हैं। नीरू ने बताया कि 17 अगस्त की सुबह उन्हें एक फोन काल आई। काल करने वाले व्यक्ति ने बताया कि उनका बैंक खाते में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बंद किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल के की-पैड से नौ नंबर नंबर दबाने को कहा गया। इसके बाद एक व्यक्ति फोन काल पर जुड़ा और उसने बताया कि नीरू की आइडी पर एक और मोबाइल नंबर 15 जुलाई को एक्टिवेट कराया गया है, जो मुंबई में चल रहा है। उसने बताया कि जो व्यक्ति यह नंबर उपयोग कर रहा है, उसके खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है। इसलिए नीरू की आइडी पर चल रहे सभी नंबर बंद किए जा रहे हैं। अधिक जानकारी लेने के लिए उक्त व्यक्ति ने काल ट्रांसफर कर मुंबई पुलिस अधिकारी से बात करने को कहा। नीरू ने बताया कि इसके बाद आरोपितों ने वीडियो काल पर बात की, जिसमें एक व्यक्ति पुलिस की वर्दी में बैठा हुआ था। उसने अपना नाम प्रदीप सावंत बताया और नीरू के बारे में पूरी जानकारी जुटानी शुरू कर दी। व्यक्ति ने कहा कि आपका कैनरा बैंक में एक अकाउंट है जो मनी लांड्रिंग में उपयोग किया गया है और यह मामला बड़े घोटाले से जुड़ा हुआ है। इसके बाद उनकी बात एक अन्य व्यक्ति से कराई, जिसे सीबीआइ इंस्पेक्टर राजेश मिश्रा बताया गया। मिश्रा ने नीरू को डराया कि उनके खिलाफ काफी सबूत हैं और अदालत केवल साक्ष्यों को मानती है। काल करने वाले ने एक खाता नंबर भेजा और मामला रफा-दफा करने के लिए तत्काल 15 लाख रुपये जमा करने को कहा। नीरू ने यह धनराशि ट्रांसफर कर दी। नीरू ने बताया कि साइबर ठगों ने उन्हें सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक आनलाइन रखा और अपने पहचान-पत्र भेजकर डराया कि यदि किसी को इसकी जानकारी दी तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शक होने पर जब उन्होंने आरोपितों के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि वह मुंबई पुलिस व सीबीआइ से नहीं, बल्कि साइबर ठग हैं। इस मामले में रायपुर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हरिद्वार में शर्मनाक करतूत

पूजा के बहाने नौ साल की बच्ची को घर ले गया दरिंदा, की गंदी हरकत

हरिद्वार। पूजन के बहाने नौ वर्ष की बच्ची को अपने घर ले जाकर आरोपित ने उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की। मामला कनखल कोतवाली क्षेत्र का है। पीड़ित बच्ची की शिकायत पर आरोपित राजेश को स्थानीय लोगों ने और बच्ची के स्वजनों ने पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पीड़ित बच्ची के सज्जनों का आरोप है कि आरोपित राजेश उन्हीं के मोहल्ले में उनके घर से कुछ दूरी पर रहता है। वह बच्ची को पूजन के बहाने अपने घर ले गया था। वहां पर उसने बच्ची के साथ गलत नीयत से शारीरिक छेड़छाड़ की। वापस घर आने पर बच्ची सहमी-सहमी सी नजर आई, इस पर स्वजनों ने पूछताछ की तो मामला सामने आया। इस पर आक्रोशित स्वजनों और मोहल्ले वालों ने आरोपित राजेश को पकड़ लिया और उसे कनखल कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया। कनखल कोतवाली प्रभारी भावना कैंथोला ने बताया कि पीड़ित बच्ची के स्वजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ पोक्सो एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया कि उन्होंने पीड़ित बच्ची से बातचीत की तो बच्ची ने बताया कि आरोपित पूजन के बहाने उसे अपने घर लेकर गया था और उसके साथ गलत नीयत से शारीरिक छेड़छाड़ की। पीड़ित बच्ची ने दुष्कर्म की बात से इनकार किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चुटकियों में खूबसूरत बनाते हैं ये घरेलू नुस्खे

सुंदर दिखना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए जरूरी नहीं है कि आप मंहगे उत्पाद का प्रयोग करें या ब्यूटी पार्लर का रुख करें। चेहरे की खूबसूरती को निखारने के लिए जरूरी है कि आप इसका खास खयाल रखें। जानिए कुछ आसान उपाय जिनसे आपकी खूबसूरती बरकरार रहेगी।

झुर्रियों करें दूर - एक चम्मच शहद में कुछ बूंदे नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर लगाने से चेहरे पर झुर्रियाँ नहीं पड़ती है।

चमक रखे बरकरार

एक चम्मच गुलाबजल और एक चम्मच दूध के मिश्रण में दो तीन बूंद नींबू का रस मिलाकर इसे चेहरे पर लगाने से त्वचा की कोमलता व चमक बनी रहती है।

स्क्रबिंग के लिए - टमाटर का टुकड़ा लेकर चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें, चेहरे की सारी गंदगी साफ हो जाएगी। त्वचा को निखारने के लिए स्क्रबिंग बहुत जरूरी है। स्क्रब त्वचा की मृत कोशिकाओं, धूल इत्यादि को हटाकर रोमछिद्रों को बंद होने से रोकता है।

तैलीय त्वचा से पाएं छुटकारा - एक चम्मच नींबू का रस में एक चम्मच गुलाब जल और पिसा हुआ पुदीना मिलाकर 1 घंटे रखें। फिर चेहरे पर लगाकर 20 मिनट बाद धो लें। इससे चेहरे का चिपचिपापन दूर हो जाएगा।

कैसे पाएं निखार - त्वचा में निखार लाने के लिए थोड़े-से चोकर में एक चम्मच संतरे का रस, एक चम्मच शहद व गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। सूखने पर धो डालें।

शहद से पाएं त्वचा में कसावट - चेहरे व गर्दन पर शहद लगाएं थोड़ा सा सूखने के बाद अंगुलियों से चेहरे पर मसाज करें। शहद के सूखने के बाद गुनगुने पानी से इसे साफ करें। इससे त्वचा में कसाव आएगा।

डार्क सर्कल से बचें - आंखों के नीचे झुर्रियां व डार्क सर्कल से बचने के लिए बादाम के तेल में शहद मिलाकर लगाएं और इस हल्के हाथों से मलें और धो लें।

क्लीजिंग के लिए - चेहरे से मेकअप को हटाने व धूल मिट्टी से बचाने के लिए क्लीजिंग जरूरी है। इसके लिए चावल के आटे में दही मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे चेहरे एवं गर्दन पर अच्छी तरह मलें। इसके बाद चेहरा धो लें।

रुखी त्वचा से बचें - नारियल के तेल में शहद और संतरे का रस मिला लें और इसे रुखी, फटी हुई त्वचा पर लगाएं। इस मिश्रण के सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें और हल्के हाथ से पोंछकर नारियल का तेल या कोई और मॉइश्चराइर लगा लें।

यूं हटाएं चेहरे के दाग-धब्बे - चेहरे पर काले दागों को हटाने के लिए टमाटर के रस में रुई भिगोकर दागों पर लगाएं इससे काले धब्बे साफ हो जाएंगे।

मुंहासों से पाएं छुटकारा - आलू उबाल कर छिलके छील लें और इसके छिलकों को चेहरे पर रगड़ें, मुंहासे ठीक हो जाएंगे।

अब किसी भी उम्र में पाएं स्वस्थ त्वचा

प्रदूषण, धूल-मिट्टी, तनाव, धूप और दौड़भाग न जाने कितनी चीजों का सामना हमारी त्वचा को प्रतिदिन करना पड़ता है। ऐसे में समय रहते उचित देखभाल न करने से तरह-तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हर उम्र में खूबसूरत व आकर्षक दिखने के लिए त्वचा की देखभाल के साथ-साथ स्वस्थ खान-पान भी जरूरी है। जवां दिखने के लिए जरूरी है कि आप अपनी त्वचा की जरूरतों को समझें और उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। कुछ खास व आसान उपायों के जरिए आप हमेशा खूबसूरत व जवां दिख सकती हैं। जानें उन उपायों के बारें में-

धूप से स्किन को कई तरह से नुकसान पहुंचता है। इस मौसम की तेज धूप भी आपका रंग चुरा सकती है। स्किन टैन होना, झुर्रियां, स्पॉट् व अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाना ना भूलें। सुबह दस से चार के बीच की धूप में निकलने से बचना चाहिए क्योंकि इस समय सूर्य की रोशनी काफी तेज होती है।

हफ्ते में एक बार चेहरे की क्लीजिंग, टोनिंग, स्क्रबिंग व मसाज जरूरी है। इसे चेहरे पर जमा डेड स्किन हट जाते हैं और रोम छिद्र खुल जाते हैं जिससे चेहरे में चमक आ जाती है। आप चाहें तो पार्लर या घर पर इस आसानी से कर सकती हैं।

त्वचा को प्राकृतिक रूप से खूबसूरत बनाना हो तो प्रतिदिन 8-10 लीटर पानी पीएं । इससे त्वचा में कुदरती नमी बनी रहेगी और त्वचा चिपचिपी नजर नहीं आएगी। साथ ही यह शरीर को स्वस्थ और त्वचा को हाईड्रेटेड रखने में मदद करता है।

नाइट क्रीम लगाने से त्वचा सवस्थ व चमकदार बनी रहती है। और यह आपकी त्वचा की प्राकृतिक मरम्मत में भी सहायक होता है। नियमित रूप से मॉस्चराइजर का उपयोग झुर्रियों को आने से रोकता है और आपकी त्वचा को कोमल और उज्जवल बनाए रखने में सहायता करता है।

पर्याप्त मात्रा में नींद न लेने से भी त्वचा तनावपूर्ण और थकी हुई दिखती है। नियमित तौर पर पर्याप्त नींद आपकी त्वचा को स्वस्थ और जवान रखने में सहायक है। जब आप सोते हैं तो आपका शरीर पुनर्जीवन की प्रक्रिया से होकर गुजरता है और अधिक स्वस्थ त्वचा कोशिकाएं उत्पन्न करता है जो झुर्रियों और बुढ़ापे को रोकता है।

जिस तरह हमारे शरीर को ऑक्सीजन की जरूरत है ठीक उसी तरह हमारी त्वचा के लिए विटामिन की आवश्यकता होती है। कुछ खास तरह के विटामिन आपकी त्वचा की चमक को बरकरार रखने में मदद करता है जैसे विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन ई आदि।

मिलावटी दूध पीने से लिवर, किडनी और पेट को होता है खतरा

चिकित्सकों का कहना है कि करीब दो साल तक लगातार मिलावटी दूध पीते रहने पर लोग इंटेस्टाइन, लिवर या किडनी डैमेज जैसी खतरनाक बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के हालिया अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि भारत में बिकने वाला करीब 10 प्रतिशत दूध हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इस 10 प्रतिशत में 40 प्रतिशत मात्रा पैकेज्ड मिल्क की है जो हमारे हर दिन के भोजन में इस्तेमाल में आता है। यह 10 प्रतिशत कॉन्टैमिनेटेड मिल्क यानी दूषित दूध वह है, जिसकी मात्रा में वृद्धि दिखाने के लिए इसमें यूरिया, वेजिटेबल ऑयल, ग्लूकोज या अमोनियम सल्फेट आदि मिला दिया जाता है जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही नुकसानदायक हैं।

श्री बालाजी ऐक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के गैस्ट्रोइंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर जी.एस. लांबा के अनुसार, मिलावटी या कॉन्टैमिनेटेड दूध से होने वाला नुकसान इस बात पर निर्भर करता है कि कॉन्टैमिनेशन कैसा है। अगर दूध में बैक्टीरियल कॉन्टैमिनेशन है तो आपको फूड प्वाइजनिंग, पेट दर्द, डायरिया, इंटेस्टाइन इंफेक्शन, टाइफाइड, उल्टी, लूज मोशन जैसे इंफेक्शन होने का डर होता है। उन्होंने कहा, ₹कई बार मिनरल्स की मिलावट होने पर हाथों में झनझनाहट या जोड़ों में दर्द भी शुरू हो जाता है। वहीं अगर दूध में कीटनाशक या केमिकल्स की मिलावट है या पैकेजिंग में गड़बड़ है तो इसका आपके पूरे शरीर पर लंबे समय के लिए बहुत खराब असर पड़ता है। इस तरह के मिलावटी दूध को काफी समय से यानी करीब दो साल से लगातार पीते रहने पर आप इंटेस्टाइन, लिवर या किडनी डैमेज जैसी खतरनाक बीमारियों के शिकार हो सकते हैं।

पुष्पावती सिंघानिया हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की कंसल्टेंट पीडियाट्रिक्स डॉक्टर अंजलि जैन बताती हैं कि इस तरह के कॉन्टैमिनेटेड दूध में कुछ ऐसी केमिकल की मिलावट भी होती है जिनसे कार्सियोजेनिक समस्याएं भी हो सकती हैं। अगर आप करीब 10 साल तक इस मिल्क प्रोडक्ट को ले रहे हैं तो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां होने की संभावना हो सकती है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने दूध में किसी भी तरह की मिलावट के लिए उम्र कैद की सजा तय की है, फिर भी इस तरह की स्टडी रिजल्ट्स का आना उन सबके लिए चिंता का विषय है जो अपनी रोजाना की लाइफ में पैकेज्ड दूध का प्रयोग करते हैं। पैकेज्ड दूध की क्वालिटी पर हमारा कोई नियंत्रण तो नहीं होता पर कुछ छोटी-छोटी बातों को अपनाकर हम उसके दुष्प्रभाव को कम कर सकते हैं।

धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशिलिटी अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉक्टर गौरव के अनुसार, पॉस्चराइज्ड दूध होता ही इसलिए है, ताकि आपकी सेहत को उससे कोई नुकसान न पहुंचे। लेकिन अगर वो भी कॉन्टैमिनेटेड हो तो आप इसमें बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। हां, टेट्रा पैक को प्रमुखता देकर आप कुछ हद तक इससे बच सकते हैं। चूंकि टेट्रा पैक के अंदर प्लास्टिक एक्सपोजर्स कम होते हैं तो वह प्लास्टिक पैक से कम दूषित होता है। डॉक्टर जी. एस. लांबा का भी मानना है कि दूध को सही तरह से उबालकर आप इसके भीतर के सिंपल इंफेक्शन वाले बैक्टीरिया को हटा सकते हैं। इसके अलावा इसे हमेशा रेफ्रीजेरेट करके रखें और भूलकर भी खुला न छोड़ें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सोशल मीडिया पर कियारा की प्रेग्नेंसी की अफवाह

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी इन दिनों फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' के प्रमोशन पर जुटी हुई हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक्ट्रेस की एक तस्वीर देखकर फैंस ने उनकी प्रेग्नेंसी के कयास लगाने शुरू कर दिए हैं। इस तस्वीर को कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। कार्तिक और कियारा हाल ही में फिल्म प्रमोशन के लिए जयपुर पहुंचे थे। रविवार को कार्तिक ने फिल्म के प्रमोशनल इवेंट से कियारा के साथ एक तस्वीर शेयर की। इसे शेयर करते हुए कार्तिक ने लिखा, पक्का? सौ टका! सत्यप्रेम की कथा। 5 दिन बाद..। तस्वीर में कियारा कोर्ड सेट में नजर आ रही हैं। इसी तस्वीर को देखकर फैंस ने कियारा की प्रेग्नेंसी के कयास लगाने शुरू कर दिए। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, क्या सिर्फ मुझे कियारा का बेबी बंप दिख रहा है? उसे रिप्लाय करते हुए एक यूजर ने लिखा, कियारा पक्का प्रेग्नेंट हैं। इवेंट के वीडियोज में भी उनका बंप दिखाई दे रहा है। कियारा ने इसी साल फरवरी में सिद्धार्थ मल्होत्रा से शादी की है। उन्होंने फ्रैंड्स और फैमिली मेंबर्स की मौजूदगी में राजस्थान में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी।

पैपराजी पर नाराज हुईं परिणीति चोपड़ा

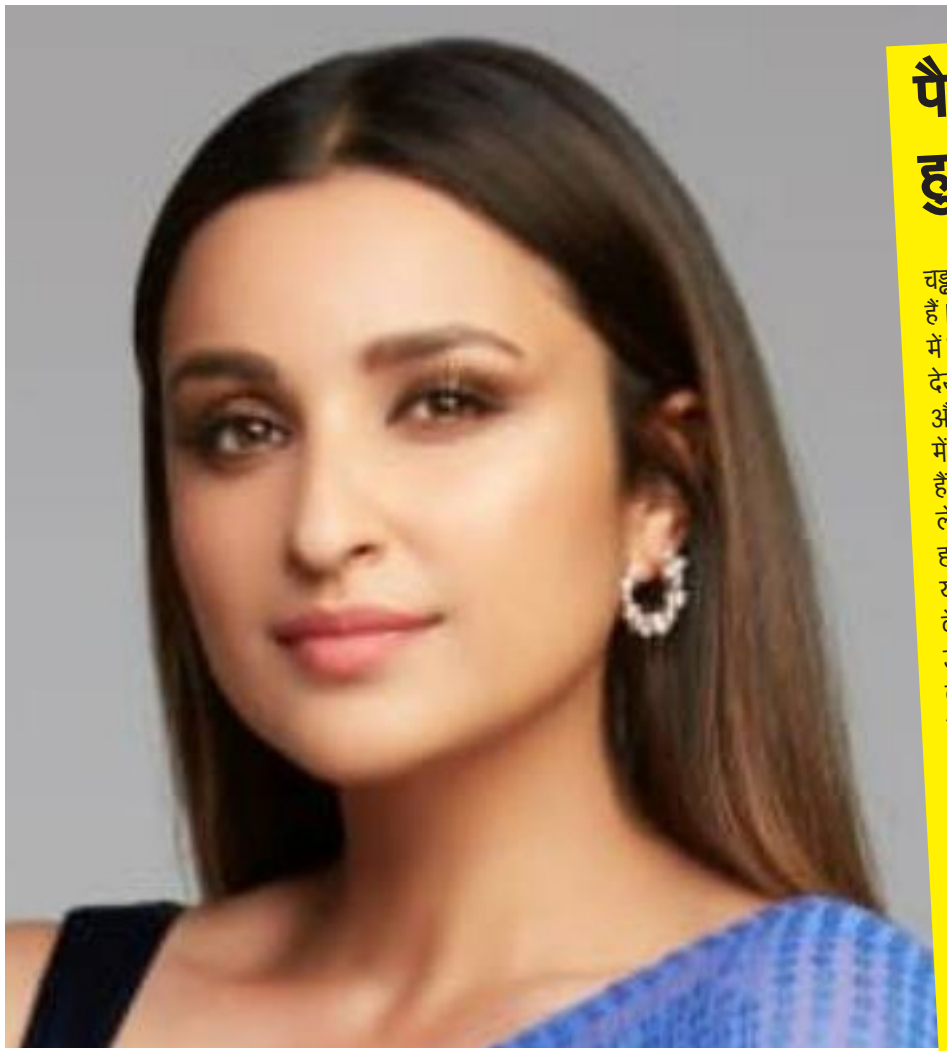

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा, आप नेता राघव चड्ढा संग सगाई के बाद लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। इसी बीच शनिवार रात परिणीति ने एक अवॉर्ड शो में शिरकत की, जहां उन्हें पैपराजी पर गुस्सा होते हुए देखा गया। यह बात फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आई और लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। वीडियो में परिणीति इवेंट से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रही हैं। इसी बीच पैपराजी एक्ट्रेस के पास जा कर फोटो लेने की कोशिश करते हैं। लेकिन परिणीति गुस्सा हो जाती हैं और बोलती हैं, 'नहीं-नहीं अभी नहीं यार बस'। परिणीति इतना कहकर वहीं पर थोड़ी देर के लिए रुक जाती हैं। वीडियो सामने आते ही फैंस उनकी खूब आलोचना कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'परिणीति ने अभी से एक राजनेता की पत्नी की तरह कपड़े पहनना शुरू कर दिया है'। दूसरे ने लिखा, 'ड्रामा देखिए इनका'। तो वही तीसरे ने लिखा, 'नाटक कर रही हैं'। वर्कफ्रंट की बात करें तो, परिणीति चोपड़ा इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित 'चमकीला' में दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आएंगी। फिल्म की कहानी पंजाबी सिंगर अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर बेस्ड है। चमकीला जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इससे पहले परिणीति फिल्म ऊंचाई और कोड नेम तिरंगा में नजर आई थीं।

हताश हुए विंदू दारा सिंह

प्रभास और ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष रिलीज के बाद से ही निशाने पर है। अब तक कई कलाकारों ने फिल्म की कहानी और इसके किरदारों के चित्रण पर खासी नाराजगी जाहिर की है। रामानंद सागर की रामायण में हनुमान के किरदार को यादगार बनाने वाले दारा सिंह के बेटे विंदू दारा सिंह भी फिल्म से बड़े हताश हैं। अब तक उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा ताकि फिल्म के कलेक्शन पर असर न पड़े। हालांकि, अब उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया शेयर की है। फिल्म पर बात करते हुए विंदू ने कहा, ह्यपता नहीं इन्होंने क्या सोचकर यह फिल्म बनाई है? बहुत ही वाहियात है। समझ ही नहीं आ रहा कि मेकर्स ने क्या दिखाने और सिखाने की कोशिश की है? यह फिल्म तो एंटरटेन भी नहीं कर पाती। विंदू से जब पूछा गया कि अब तक उन्होंने इस पर कोई रिएक्शन क्यों नहीं दिया था तो उन्होंने कहा, चूंकि, इससे जुड़े लोग मेरे दोस्त हैं इसलिए कुछ बोलने का दिल भी नहीं करता पर पूरी इन्होंने जो दुनिया बनाई वो पूरी तरह बनावटी लगी है। हमने अब तक कुछ बोला नहीं क्योंकि हम चाहते हैं कि यह फिल्म चलें। मगर यह चलने वाली फिल्म है ही नहीं। ये फिल्म भी नकली है और इसका कलेक्शन भी नकली है। मेकर्स ने इसमें कुछ अलग ही टाइप के क्रीचर्स दिखाए हैं। इसे देखकर लगा कि मेकर्स हमारे टीचर बनने की कोशिश कर रहे हैं। पूरी दुनिया को पता है कि रामायण में क्या हुआ थ। बच्चों तक को पता है कि लंका सोने की थी तो फिल्म में आपको काली लंका दिखाने की क्या जरूरत थी? आपने गंदी सी काली सी लंका दिखाई है। अमिताभ बच्चन की काला पत्थर है क्या? जब फिल्म में दिखाया कि रावण अपने ड्रैगन पर सीता को लेकर जा रहा है तो लगा जैसे "गेम ऑफ थ्रोन्स" चल रही है। इसी सीन में जब रावण, सीता का हरण करके ले जा रहा है तब राम और लक्ष्मण उसे पीछे भागते-भागते पानी तक चले गए। वहां से पानी के उस पार काली लंका भी दिख रही है। तो जब लंका दिख ही रही है तो फिर राम और लक्ष्मण को सीता की तलाश करते हुए क्यों दिखाया है।